अध्याय – चतुर्थ

प्रदत्तो का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

4.2 प्रदत्तो का सारणीयन

4.3 प्रदत्तो के विश्लेषण का प्रस्तुतिकरण

4.4 प्रदत्तो का विश्लेषण एवं परिणाम

तालिका सूची

अनु क्र.	विवरण	पृष्ठ संख्या
4.1	नौंवी एवं दशवीं के छात्र - छात्राओं की शौक्षिक उपलब्धि तथा व्यावसायिक रुचि के मध्य सहसम्बन्ध का विवरण	20
4.2	नौंवी एवं दशवीं कक्षा के छात्र - छात्राओं की शैछिक उपलब्धि की तुलना	21
4.3	नौंवी एवं दशवीं कक्षा के छात्र - छत्राओं की व्यावसायिक रुचि की तुलना	22

अध्याय - 4

प्रदत्तो का विश्लेषण एवं परिणामों की व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

अनुसंधान में प्रदत्त के संकलन सारणीयन तथा सांख्यिकी विधियों के प्रयोग के बाद प्राप्त निष्कर्षों का विश्लेषण एवं उनकी व्याख्या का महत्वपूर्ण स्थान है इस प्रक्रिया में प्रदत्त को इस प्रकार व्यवस्थित करते हैं कि यह समस्या के संबंध में वांछित परिणामों को प्रस्तुत कर सके प्रदत्त का विश्लेषण वैज्ञानिक निष्कर्ष पर पहुंच जाता है इसके अभाव में प्राप्त सामग्री की कोई उपयोगिता नहीं होती समस्या के संबंध में निश्चित ज्ञान की प्राप्ति हेतु सामग्री का विश्लेषण किया जानाआवश्यक है |

4.2 प्रदत्तो का सारणीयन

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रदत्त को स्पष्ट एवं बोद्ध गम बनाने के लिए उनका सारणीयन किया गया है सारणीयन के द्वारा प्रदत्त में सरलता एवं स्पष्टता आती है वर्णनात्मक तथ्य अधिक व्यवस्थित होकर प्रदर्शन के योग्य बन जाते हैं इसके अंतर्गत प्रदत्त को विभिन्न स्तंभों व पंक्तियों में प्रस्तुत किया जाता है जिससे समझने की सुविधा होती है सारणीयन के साथ में किसी विचाराधीन समस्याओं को स्पष्ट करने के उद्देश्य से संख्यात्मक तथ्यों को क्रमबद्ध और सुव्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करने की एक विधि है |

4.3 प्रदत्तो के विश्लेषण का प्रस्तुतिकरण

प्रदत्त का विश्लेषण शोध का महत्वपूर्ण पक्ष माना जाता है विश्लेषण से प्रदत्त के अर्थ को सुगमता से बोधगम्य बनाया जाता है |

परिणामों के प्रस्तुतीकरण से प्रदत्त के परिणामों के अर्थ को देखा जा सकता है

4.4 पदों का विश्लेषण एवं परिणाम –

शोध समस्या के उद्देश्य के आधार पर उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा व्यावसायिक रुचि में तुलना की गई तथा इसका विश्लेषण तार्किक रूप से किया गया |

परिकल्पना -1

नवमी- दशमी कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा व्यवसायिक रुचि के मध्य संबंध नहीं होगा |

तालिका क्रमांक 4.1

नवमी एवं दशमी कक्षा के विद्यार्थियों की

शैक्षिक उपलब्धि तथा व्यावसायिक रुचि के मध्य संबंध का विवरण

क्र. S.No.	चर 'V'	'N'	df	r
1.	शैक्षिक उपलब्धि	150	148	0.32*
2.	व्यावसायिक रुचि			

(*r गुणांक 0.01 पर सार्थक है)

प्रस्तुत तालिका से प्राप्त परिणाम के आधार पर यह कह सकते हैं कि नवमी - दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा व्यवसायिक रुचि के मध्य सार्थक संबंध हैं *r गुणांक 0.32 यह बताता है कि यह धनात्मक सहसंबंध है एवं शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के साथ-साथ व्यावसायिक रुचि में भी परिवर्तन आता है!

परिकल्पना - 2

नवमी एवं दशवी के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा |

तालिका क्रमांक 4.2

नौवीं और दसवीं कक्षा के छात्र छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना

लिंग.	विद्यार्थी संख्या 'N'	मध्यमान 'M'	प्रमाण विचलन (SD) σ	'टी' मूल्य 't'	सार्थकता
छात्र	76	54.76	10.36	0.79*	P<0-05
छात्राये	74	54.29	11.89		

(*'t' का मान 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है सार्थक होने के लिए 0.05 स्तर पर 148 df पर 1.98 का मूल्य चाहिए)

तालिका क्रमांक 4.1 से स्पष्ट होता है कि टी का मान 0.79* है 't' को 0.05 स्तर पर सार्थक होने के लिए आवश्यक तालिका मान 1.98 है आया हुआ 't' का मूल्य से कम होने के कारण यह परिकल्पना क्रमांक 2 सार्थक नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है |

इसलिए हम कह सकते हैं कि कक्षा नवमी दशमी के छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अंतर नहीं है |

परिकल्पना - 3

उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओं की व्यवस्था एक रुचि के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्र. 4 .3

कक्षा नौवीं दसवीं के छात्र छात्राओं की व्यवस्था एक रुचि की तुलना

लिंग.	विद्यार्थी संख्या 'N'	मध्यमान 'M'	प्रमाण विचलन (SD) σ	'टी' मूल्य 't'	सार्थकता
छात्र	76	72.66	56.32	0.46*	P<0-05
छात्राये	74	74.66	57.24		

(*'t'का मान 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है सार्थक होने के लिए 0.05 स्तर पर 148 df पर 1.98 का मूल्य चाहिए)

तालिका क्रमांक 4.2 से स्पष्ट होता है कि 'tका मान 0.46 है 't' को 5 स्तर पर सार्थक होने के लिए आवश्यक तालिका मान 1.98 है आया हुआ 't' का मूल्य इससे कम होने के कारण यह परिकल्पना क्रमांक 3 सार्थक नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है

उपरोक्त 't' मान को देखते हुए हम कह सकते हैं कि कक्षा नौवीं दसवीं के छात्र छात्राओं की व्यवसायिक रुचि के मध्य सार्थक अंतर नहीं है

तालिका क्रमांक 4.1 से स्पष्ट है कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा व्यावसायिक रुचि के मध्य सहसंबंध है अर्थात शैक्षिक उपलब्धि बढ़ने से व्यवसायिक आकांक्षा का मान भी बढ़ता है

तालिका क्रमांक 4.2 के परिणामों से स्पष्ट होता है कि छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई अंतर नहीं है छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि उनकी बुद्धि लब्धि एवं पठन-पाठन संबंधी आदतों का परिणाम होती है विद्यालयों में अधिगम वातावरण के अवसर दोनों को समान रूप से प्राप्त होते हैं !

तालिका क्रमांक 4.3 में दर्शाया है कि छात्र छात्राओं की व्यवसायिक उपलब्धि के बीच कोई अंतर नहीं है विद्यालय में समान शिक्षा प्रणाली तथा तथा समान अधिगम अवसर प्राप्त होने के कारण तथा मिलने वाला स समान अनुभवों के कारण दोनों की व्यवसायिक रुचि के मध्य अंतर नहीं है आज कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जहां सिर्फ छात्रों का ही प्रभाव है छात्राओं में भी ऐसे क्षेत्रों के बारे में सूचना तथा उस ओर कदम उठाना शुरू कर दिया है !